भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

राज्यसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3282

20.03.2026 को उत्तर के लिए नियत

भारत को वैश्विक ईवी केंद्र बनाने हेतु प्रयास

3282. **श्री लहर सिंह सिरोयाः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत को वैश्विक ईवी केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय हरित गतिशीलता पहलों के तहत इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण और उन्नत बैटरी उत्पादन को गति दी है;

(ख) इन पहलों के तहत कर्नाटक में स्थापित विनिर्माण इकाइयों और आपूर्ति श्रृंखला पारितंत्र और निवेश की मात्रा क्या है; और

(ग) रोजगार सृजन, कार्बन उत्सर्जन में कमी और देशभर में घरेलू विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करने पर इन उपायों का मापनीय प्रभाव क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण और बैटरी उत्पादन को गति देने के लिए दो स्कीमों का संचालन करता है, अर्थात् भारत में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स उद्योग के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम (पीएलआई-ऑटो स्कीम), जो उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों के लिए भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए है, और "राष्ट्रीय उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण कार्यक्रम" नामक पीएलआई स्कीम।

(ख): कर्नाटक राज्य में, पीएलआई-ऑटो स्कीम के तहत 2142.57 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ (31.12.2025 तक) 27 विनिर्माण इकाइयां स्थापित की गईं। पीएलआई एसीसी स्कीम के तहत, एसीसी एनर्जी स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा (जनवरी 2026 तक) 262 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

(ग): पीएलआई-ऑटो स्कीम और पीएलआई-एसीसी स्कीम का उद्देश्य नवाचार का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो स्वच्छ परिवहन संबंधी समाधानों के विकास को

सक्षम बनाएगा और कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा। पीएलआई-ऑटो स्कीम के तहत, 16.03.2026 तक 44 वेरिएंट के लिए 18 आवेदकों ने 50% या उससे अधिक का घरेलू मूल्यवर्धन (डीवीए) हासिल किया है और (31.12.2025 तक) 61,241 नौकरियां सृजित की हैं। पीएलआई-एसीसी स्कीम ने भारतीय सेल विनिर्माताओं को सेल विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए उत्प्रेरक का काम किया। पीएलआई एसीसी स्कीम के आवेदकों के अलावा, विनिर्माताओं ने अगले पांच वर्षों में देश में लगभग 178 गीगावॉट घंटा की संचयी क्षमता की घोषणा की है।

****